Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 01-12-2005

Participants : Gudhe Shri Anantrao

>

Title : Increasing cases of suicide by farmers.

श्री अनंत गुढ़े (अमरावती) : अध्यक्ष महोदय, देश में रोज किसानों की आत्महत्या का सिलसिला लगातार चालू है। हम जब भी अखबार देखते हैं तो हर पहले पन्ने पर, कहीं न कहीं किसानों की आत्महत्या की बात हमें पढ़ने को मिलती है। किसानों की समस्या के बारे में कई बार संसद में चर्चा हुई और किसानों की आत्महत्या के बारे में भी चर्चा हुई, लेकिन उसके बावजूद भी किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की तरफ से जो प्र ायास होने चाहिए, वे प्रयास होते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं। जिन किसानों ने आत्महत्या की है, उन किसानों के परिवारों को राज्य सरकारें मदद के रूप में कुछ पैसा देती हैं, लेकिन हमने देखा है, मैं केवल कुछ जगहों की बात कर रहा हूं, पश्चिम विदर्भ में साल भर में, पिछले पूरे साल में 657 किसानों ने आत्महत्या की cè[R18]। गत छः महीनों में, केवल 150 दिनों में 142 किसानों ने आत्महत्या की है। लेकिन अगर देखा जाये तो पूरे साल में किसानों को जो मदद मिली है, वह केवल 15 किसानों के परिवारो को दी गई है। किसानों के पास सागबाड़ा रहता है, आज तो उनकी ऐसी स्थिति है कि काम नहीं होने की वजह से गांवों के किसानों के परिवार के जो बाकी सदस्य हैं, जो पढ़ रहे हैं, जो स्टूडैण्ट्स हैं, वे भी आत्महत्याएं कर रहे हैं। अमरावती जिले के आसरा नाम के गांव में एक स्कूली बच्ची ने आत्महत्या की है। उसने अपने निवेदन में कहा है कि पिताजी काम पर जाते हैं, उन्हें काम नहीं मिलता है, मां काम पर जाती है, उन्हें काम नहीं मिलता है, घर में दो बच्चे पढ़ने वाले हैं, वे पढ़ नहीं पा रहे हैं, इसीलिए मैं आत्महत्या कर रही हूं। आज इस प्रकार की बात चल रही है। यह बहुत ही गम्भीर विाय है। सारे देश का किसान वर्ग आज बड़े संकट में आ गया है।

इसमें दो बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं। जहां लोग साहूकारों से कर्जा लेते हैं, वे बड़ी मात्रा में लोगों से ब्याज लेते हैं, इसलिए इन साहूकारों के ऊपर सारे देश में बन्दी लगनी चाहिए। इसके लिए सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

दूसरी बात यह है कि किसानों के लिए सरकार करोड़ों रुपये कई इलाकों में कई कामों पर खर्च करती है, लेकिन किसानों को उनके काम के लिए या उनकी खेती के लिए जो कर्जा देते हैं, बिन ब्याजी कर्जा किसानों को देने के लिए सरकार को कुछ कदम उठाने की जरूरत है, यह मांग मैं आपके माध्यम से करता हूं। सारा सदन किसानों के साथ अपनी संवेदना प्रकट करेगा, ऐसा मैं आपसे निवेदन करता हूं। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Certainly it is a very important issue.